

प्रभात मंत्र

चलते चलते एक नज़र

मंत्री हफ्फीजूल अपने बयान से पलटे, कहा
संविधान के प्रति नेती अटूट निष्ठा

रांची (प्रभात मंत्र संवाददाता): भाजपा के विरोध प्रदर्शन के बाद अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री हफ्फीजूल रहस्यन ने अपने दिये गये बयान से पलट गये। मंत्री हफ्फीजूल ने सर्कारी उपर्युक्त के प्रति गहरी श्रद्धा रखता हूँ जिनकी प्रेरणा से मैंने सार्वजनिक जीवन में समावेशी और सामाजिक न्याय के लिए कार्य किया है। धर्म, जाति, वर्ग, क्षेत्र से ऊपर उम्मीद और देश के लिए कार्य मेरी संवैधानिक निष्ठा की गवाही देते हैं। मैं दोहराता हूँ कि संविधान मेरे लिए सबोंपरि है, और मेरा कोई भी काम या कार्य कभी इसके मूल्यों के खिलाफ नहीं रहा। अनुचूति जाति, अनुचूति जनजाति, पिछेवार एवं अल्पसंख्यकों के अधिकार की रक्षा की गरिमांडी है हमारा संविधान जहां संविधान देश के हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है वहीं वह सरकारों को ऐसा बाबतवरण लगाए रखने का निर्देश देता है जिसमें देश के सभी नागरिक अपने भाषाओं एवं धार्मिक पथवान को अशुण्ण रख सकें देश ने केंद्रीय मंत्रियों को अल्पसंख्यक समूदाय के प्रति निर्देश - नकारी शब्दों का प्रयोग करते हुए देखा है। किसी ने अल्पसंख्यकों को खुले आम देश छाड़ने को कहा तो मैंने हमें मंच से गोली मारने का नारा लगवाया। मैंना नहीं हूँ एवं दोहराता हूँ कि हम जिसी को अपने धर्म से असंरीप्त प्रेम करने का अधिकार है लेकिन वह प्रेम दूसरे धर्म के प्रति नकार का रूप नहीं लेनी चाहिए। मैंने बयान को जिस ढंग से भी परोसा जाए लेकिन मैं भरोसा दिलाता हूँ कि अपने कर्तव्यों का निर्वहन संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप करता रहूँगा और सभी समुदायों के लिए न्याय, समन्ता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रहूँगा। बता दें कि मंत्री हफ्फीजूल ने कहा था कि मुसलमान सीने में कुरुण रखता है और हाथ में संविधान।

संविधान की दुर्वाई देने वाले सत्ता पक्ष का दलित विरोधी चेहरा घिट उजागर-प्रदीप रवि

रांची (प्रभात मंत्र संवाददाता): रिस के निदेशक डॉ. राजकुमार को बिना काई स्पष्ट कारण बताए अपमानजनक तरीके से उक्त पद से हटा दिया। वह कारबाई न केवल एक योग्य और प्रतिष्ठित चिकित्सक का अपमान है, बल्कि पूरे दलित समाज के आत्मसम्मान पर आधार तैयार करता है। जारखंड प्रदेश गुरु रविदास महासभा के महासचिव प्रदीप रवि ने इसे सत्ताधारी दल का दलित विरोधी चेहरा करार देते हुए कड़ी निया की है। उहनोंने कहा कि यह घटना को पहली नहीं है। पूर्व में भी राज्य प्रशासनिक सेवा के एक दलित महिला पदाधिकारी के साथ सरकार की दोहरी नीति और भेदभावपूर्ण रवैया बांधने आ चुका है। यही आवश्यकता पड़ी, तो वे अपने घटनाओं को भी सार्वजनिक महासचिव ने गठी भी कहा जब उन्होंने नगर नियम की महापौर की सीट पर तेजी वर्ता के लिए आवश्यक हुई, तो इस सरकार ने उसे भी बदल कर दलित समाज का अपमान किया। अब सबकाल वह है कि यह सरकार असरित दलितों को कितनी बार अपमानित करेगी? रिस के पूर्व निदेशक डॉ. राजकुमार के साथ हुए व्यवहार से दलित समाज आहत और आक्रोशित है।

भारत में स्थापित होगा इंटरनेशनल

बिग कैट अलायंस का मुख्यालय

एजेंसी

नई दिल्ली : इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस का मुख्यालय और संचालन भारत में स्थापित किया जाएगा। बिदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार और आईबीसीए ने बृहस्पतिवार को इस संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29



तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किये गए। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेशक वर्ष 2023-24 से 2028-29 तक पांच वर्षों के व्यवक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की बजेटीय सहायता प्रदान किया गया। आईबीसीए मुख्यालय को लेकर बिदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) पी. कुमारन और आईबीसीए के महानिवेशिकों एसपी यादव ने नई दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बिदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निदेश